सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
4628	08.05.2018	09.05.2018	Mahasamund Chhattisgarh	www.bhaskar.com/Hindi https://www.bhaskar.com/chhatisgarh/mahasamund/news/latest-mahasamund-news-031003-1648895.html
Title:	**E-coli bacteria found in water supplied to 560 families of Mauharibhasa, district Mahasamund, Chhattisgarh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Mahasamund, SSU-Chhattisgarh			

राजधानी में जिस गंदे पानी के कारण पीलिया से 7 लोगों की मौत हुई है, कुछ ऐसी ही तस्वीर महासमुंद शहर में भी देखने को मिल रही है। शहर के मौहारीभाठा इलाके में जिस पानी टंकी से पानी की सप्लाई होती है, उसके पानी में खतरनाक बैक्टीरिया मिला है। ई कोलाई नामक बैक्टीरिया मानव शरीर के लिए घातक होता है। इससे हैजा, पीलिया, दस्त सहित पेट संबंधी बीमारी होती है।

दरअसल, लगातार गंदा पानी आने की शिकायत के बाद भास्कर ने शहर के 6 पानी टंकियों से सप्लाई होने वाले पानी का सैंपल लेकर पीएचई के लैब में टेस्ट कराया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मौहारीभाठा क्षेत्र में सप्लाई होने वाले पानी में खतरनाक ई कोलाई बैक्टीरिया पाया गया। इसकी मात्रा भी काफी है। इसके चलते क्षेत्र में पीलिया, दस्त सहित पेट संबंधी बीमारियों की आशंका है। ये बैक्टीरिया सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। पीएचई ने तो अलर्ट कर दिया, लेकिन पानी का सप्लाई बदस्तूर जारी है।

8 किमी लाइन नालियों से होकर गुजरी, 45 किमी लाइन 40 साल पुरानी, **8000**घरों में होती है सप्लाई

महासमुंद। गुडरूपारा में इस तरह नालियों से होकर गुजरी है पाइपलाइन।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idspmediaalert@gmail.com, idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in
Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921
https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

2500 लोग प्रभावित - जिस ओवरहेड टैंक के पानी में खतरनाक बैक्टीरिया मिला है, उससे पुराना सिविल लाइन, कुर्मी पारा, मौहारी भाठा, गुडरू पारा इलाके के 560 घरों में पानी सप्लाई होती है। घराेंं में पहुंचाया गया नल कनेक्शन बजबजाती नालियों से होकर गुजरा है। जिन स्थानों पर पाइप पुरानी या जंग खा चुके हैं, वहां लीकेज से नाली का गंदा पानी नलों के जरिए घरों में पहुंच रहा है। जिसके कारण वहां के पानी में बैक्टीरिया के अंश पाए गए हैं।

जानिए, इन स्थानों पर है समस्या.... 07ओवरहेड टैंक से पानी की सप्लाई

मुख्य पाइपलाइन में ही लीकेज: मौहारीभाठा टंकी में जिस पाइपलाइन से पानी भरा जाता है, वह पाइपलाइन ही बजबजाती नालियों से होकर गुजरी है। भाजपा कार्यालय के पास से गुजरी यह लाइन मुख्य नाली के पानी में पूरी तरह से डूबी हुई नजर आ रही है।

गंदी नालियों में डूबी पाइप लाइन: सभी वार्डों में पानी सप्लाई के लिए बिछी पाइप लाइन पुराना सिविल लाइन, कुर्मीपारा, मौहारीभाठा, गुडरूपारा में कई जगहों पर पाइप लाइन बजबजाती नालियों में डूबी है। बावजूद इसके इन्हें व्यवस्थित नहीं किया जा रहा है।

पुरानी पाइपलाइन को बदलने नहीं हुआ काम- वर्षों पुरानी पाइपलाइन को बदलने पूर्व में नपा ने शासन से राशि मांगी थी। इस पर राज्य सरकार ने पालिका को स्वीकृति दी थी। इसके बावजूद कुछ जगहों का पाइप लाइन बदलकर बाकी 35 किमी पाइप लाइन को नहीं बदला गया है।

क्या है ई कोलाई बैक्टीरिया?: पीएचई के केमिस्ट कमलेश ने बताया कि कोलाई या कोलीफार्म बैक्टीरिया मानव मल और मृत पशुओं के सड़े शरीर में पनपता है जो पानी के साथ मिलकर मानव शरीर के लिए घातक साबित होता है। इससे हैजा, पेचिस, पीलिया जैसे बीमारी होने का खतरा बना रहता है।

जानिए, पीएचई के रिपोर्ट में यह बात आई सामने.... पालिका के जल शुद्धिकरण संयंत्र में मौजूद रैपिडसेंड फिल्टर की सफाई नहीं हुई है।फ्लोटिंग पार्टिकल्स को भी छाना नहीं जा रहा है।जांच में क्लोरीन यूनिट भी बंद मिला और क्लोरीन को सीधे पानी में बगैर मापदंड के मिला दिया जा रहा है।

135किमी बिछी है पाइपलाइन शहर में, **08**किमी नालियों से होकर गुजरी लाइन , महासमुंद। भाजपा कार्यालय के सामने नालियों से होकर गुजरी मैन पाइपलाइन। **45**किमी काक्रीट लाइन 40 साल पुरानी, **11**करोड़ का टेंडर सरकार ने मंजूर किया